रिपोर्ट
अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 2016-17

स्वर्ण जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग एवं हिंदी अकादमी, दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में 9-10 मार्च 2017 को 'सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप ' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन किया गया । संगोष्ठी के उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुधीश पचौरी उपकुलपति पूर्व), दिल्ली विश्वविद्यालय(ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कालिंदी महाविद्यालय, की प्राचार्या डॉ अनुला मौर्य ने संगोष्ठी में उपस्थित सभी अतिथियों और वक्ताओं को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका स्वागत किया । इस अवसर पर डॉ जीतराम भट्ट सचिव) ,हिन्दी अकादमी, दिल्ली सरकार(,प्रोफेसर मोहन विभाग हिंदी ,विभागाध्यक्ष), दिल्ली विश्वविद्यालय, (श्रीमती मैत्रेयी पुष्पा उपाध्यक्ष), हिन्दी अकादमी, दिल्ली सरकार, (चीन से पधारें प्रोफ़ेसर ग.फ़ू. फिंग निदेशक), हिन्दी विभाग, शीआन इंटरनेशनल स्टडीज, चीन(अपनी धर्मपत्नी एवं छात्र दल के साथ उपस्थित थे । इस अवसर पर अतिथियों द्वारा स्मारिका का विमोचन भी किया गया ।मंच संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ पुखराज जांगिड ने किया ।

पहले सत्र (विषय : सोशल मीडिया में भाषा का बदलता स्वरूप) की अध्यक्षता प्रो.फ़ू.ग . फिंग (चीन ,स्टडीज इंटरनेशनल शीआन ,विभाग हिंदी ,निदेशक) ने की । इस सत्र के बीज वक्ता की भूमिका प्रो,विभागाध्यक्ष) मोहन . हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय(दिल्ली , ने निभाई ।मुख्य वक्ता थे डॉअनिल . चमड़िया ,लेखक एवं संपादक) भारत(। मंच संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ रक्षा गीता ने किया । प्रथम सत्र में विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय , महाविद्यालयों से आए 17 प्रोफेसर एवं शोधार्थियों ने अपने शोधपत्रों का वाचन किया । शोधपत्र वाचन सत्र के अध्यक्ष डॉ रामाशंकर .कुशवाहा दया)ल सिंह महाविद्यालय(,दिल्ली , की अध्यक्षता में पत्र वाचन संपन्न हुआ । मंच संचालन सहायक प्रोफेसर सुश्री बलजीत कौर किया। *भोजनावकाश के बाद* **दूससे सत्र (विषय : सोशल मीडिया और साहित्यिक विधाएँ)** के अध्यक्ष थे डॉ अरूण भगत , (माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय(,भोपाल , बीज वक्ता एवं मुख्य वक्ता के रूप में श्री महेश दर्पण वरि)ष्ट पत्रकार ,टाइम्स भारत नव ,भारत(ने उक्त विषय पर प्रकाश डाला । मंच संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ ऋतु ने किया। शोधपत्र वाचन सत्र की अध्यक्ष डॉ . योजना कालिया (भारत ,दिल्ली ,महाविद्यालय विवेकानंद) के निर्देशन मे 15 शोधपत्रों का वाचन किया गया । मंच संचालन सुश्री रेखा ने किया । **तीसरे सत्र (विषय : सोशल मीडिया में उभरता प्रतिरोध का साहित्य) की** अध्यक्ष प्रो ऑफ़ यूनिवर्सिटी हनगूक) किम .जो.ऊ . (कोरिया साउथ ,स्टडीज फॉरेन ने सत्र की अध्यक्षता की बीज वक्ता एवं मुख्य वक्ता प्रो .कुमुद शर्मा (भारत ,दिल्ली ,विश्वविद्यालय दिल्ली ,विभाग हिंदी) ने अपने विचारों से शोधार्थियों को लाभांवित किया । मंच संचालन किया श्री हेमंत रमण रवि ने किया ।**चौथे सत्र (विषय : सोशल मीडिया के संदर्भ में आलोचना के नए मानदंड) के**अध्यक्ष विनोद प्रोफेसर : (मॉरिशस ,मोका ,सचिवालय हिंदी विश्व ,महासचिव) मिश्र की अध्यक्षता में बीज वक्तव्य डॉ . निखिल आनंद(भारत ,कवि प्रसिद्ध और पत्रकार) ने दिया । मुख्य वक्ता : डॉ कुमार अमितेश . .वी.टी.डी.एन ,प्रोडूसर प्रोग्राम), दिल्ली(ने उक्त विषय पर प्रकाश डाला । मंच संचालन डॉ भावना शुक्ला ने किया ।*भोजनावकाश के बाद* डॉरे बिनोद राम . (केरल केंद्रीय महाविद्यालय , कासरगोड ,भारत) की अध्यक्षता में शोधपत्रवाचन संपन्न हुआ । इस सत्र में 25 शोधपत्रों का वाचन किया गया जिसमें कोरिया एवं भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर एवं शोधार्थियों ने भाग लिया । **समापन सत्र के** मुख्य अतिथि .सी.पी .डॉ : पतंजलि ,कुलपति पूर्व) जौनपुर वि.वि. (.प्र.उ), भागलपुर वि.वि., बिहार व पूर्व प्राचार्य, अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली , एवं अन्य अतिथियों प्रोरामबक्ष ., प)ूर्व अध्यक्ष, भारतीय भाषा केंद्र, जेएनयू (भारत ,दिल्ली ,, प्रोफेसर विनोद मिश्र ,सचिवालय हिंदी विश्व)मॉरिशस(का स्वागत प्राचार्या डॉ अनुला मौर्य ने स्मृति चिह्न द्वारा किया । इस सत्र में संगोष्ठी की संयोजिका डॉ आरती सिंह ने दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की रपट प्रस्तुत-की । अपने समापन वक्तव्य में प्रो . रामबक्ष, प)ूर्व अध्यक्ष, भारतीय भाषा केंद्र, जेएनयू (भारत ,दिल्ली ,ने सोशल मीडिया के श्याम-श्वेत पक्षों पर अपने विचार प्रकट किए । विदेशी वक्ता एवं विद्वान प्रो.ऊ जो किम एवं प्रोफेसर

विनोद मिश्र के सानिध्य मे संगोष्ठी का समापन सत्र सम्पन्न हुआ । मंच संचालन डॉ मंजू शर्मा ने किया। अंत में प्रतिभागियों एवं शोधपत्र वाचकों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया । तत्पश्चात संगोष्ठी की सहसंयोजक डॉ ठाकुर विभा .ने सभी अतिथियों ,वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया ।

<u>अंतरराष्ट्रीय</u> वक्ता

प्रो.फू.ग . फिंग (चीन ,स्टडीज इंटरनेशनल शीआन ,विभाग हिंदी ,निदेशक)
प्रो(कोरिया साउथ ,स्टडीज फॉरेन ऑफ़ यूनिवर्सिटी हनगूक) किम .जो.ऊ .
प्रो. विनोद मिश्र ,सचिवालय हिंदी विश्व) मॉरिशस(

<u>राष्ट्रीय</u> वक्ता

प्रो,विभागाध्यक्ष) मोहन . हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय(दिल्ली ,
डॉ ,लेखक एवं संपादक) चमड़िया अनिल .भारत(
डॉ अरूण भगत ,(माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय(,भोपाल ,
महेश दर्पण वरि)ष्ट पत्रकार ,टाइम्स भारत नव ,भारत(
डॉ .निखिल आनंद(भारत ,कवि प्रसिद्ध और पत्रकार)
डॉ.वी.टी.डी.एन ,प्रोडूसर प्रोग्राम) कुमार अमितेश ., दिल्ली(

उदघाटन सत्र के अतिथि

प्रोफ़ेसर ग.फू. फिंग निदेशक), हिन्दी विभाग,शीआन इंटरनेशनल स्टडीज, चीन(
प्रोफेसर सुधीश पचौरी उपकुलपति पूर्व),दिल्ली विश्वविद्यालय(
डॉ जीतराम भट्ट सचिव) ,हिन्दी अकादमी,दिल्ली सरकार(
श्रीमती मैत्रेयी पुष्पा उपाध्यक्ष), हिन्दी अकादमी,दिल्ली सरकार, (

समापन सत्र के अतिथि

डॉ.सी.पी . पतंजलि ,कुलपति पूर्व) जौनपुर वि.वि. (.प्र.उ), भागलपुर वि.वि., बिहार
प्रोरामबक्ष ., प)ूर्व अध्यक्ष, भारतीय भाषा केंद्र, जेएनयू(भारत ,दिल्ली ,
प्रोफेसर विनोद मिश्र ,सचिवालय हिंदी विश्व) मॉरिशस(
अध्यक्ष प्रो(कोरिया साउथ ,स्टडीज फॉरेन ऑफ़ यूनिवर्सिटी हनगूक) किम .जो.ऊ .